सामाजिक कार्य की वैश्विक परिभाषा

सामाजिक कार्य एक ऐसी वृति व्यवसाय एवॅ शैक्षिक विधान है जो सामाजिक परिवर्तन सामाजिक संश्लेषण मानव सशक्तिकरण स्वाधीनता और विकास को बढावा देता है|

सामाजिक न्याय मानव अधिकार सामूहिक जिम्मेदारी पृथक वर्ग के प्रति सम्मान सामाजिक कार्य के मुख्य तत्व है| सामाजिक कार्य मनुष्य एवॅ सामाजिक संरचना में होने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करता है|

उपरोक्त परिभाषा राष्ट्रीय एवॅ क्षेत्रीय स्तर तक बढाई जा सकती है|

<u>व्याख्या :-</u>

व्याख्या परिभाषा में प्रयोग मुख्य तथ्यो विचारों तथा सामाजिक कार्यव्यवस्था के आवश्यक मुल विचारों सिद्धांतों ज्ञान और प्रयोग को स्पष्ट करने का कार्य करती है|

<u>मुख्य आदेश :-</u>

सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक विकास, सामाजिक सम्पर्क मानव की स्वतंत्रता एवॅ सशक्तिकरण सामाजिक कार्य व्यवसाय के मुख्य आदेश है| सामाजिक कार्य एक कार्यात्मक व्यवसाय एवॅ शैक्षिक विषय है जो इस बात को प्रदर्शित करती है कि आपस में जुडे हुए ऐतिहासिक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतीक स्थानिक राजनैतिक और व्यक्तीगत कारण मानव के विकास एवॅ जीवन स्तर को अवसर देते है या प्रतिबन्द करती है| संरचनात्मक अवरोध असामान्यता एवं भेदभाव तथा संरचनात्मक बाधाए असमानताओ भेदभाव शोषण और उत्पीडन की निरंतरता की बनाए रखने में सहयोग करती है|

सामाजिक कार्य के सिद्धांतो सामाजिक विज्ञान मानविकी और लौकिक ज्ञान की सहायता से सामजिक कार्य मानव और संरचनाओं को साथ मिलाकर जीवन की समस्यायों का निराकरण और मानव विकास व उत्थान में मदद करता है|

जाति, समूह, वर्ग, भाषा, धर्म, लिंग, संस्कृती, लैंगिक झुकाव पर आधारित शोषण या विशेषाधिकारो की संरचनात्मक स्रोत पर अहम विचार करके वैचारिक चेतना को जेष्ट करना मुक्ती के प्रयास

का मूल लक्ष्य है| जिससे मानव विकास और सशक्तिकरण और स्वतंत्रता को पा सके| दबे कुचले वर्ग के साथ सहयोग करके यह व्यवसाय गरिबी उन्मूलन शोषित और कमजोर वर्ग की मुक्ती तथा सामाजिक एक्य मिलन का प्रयास करत है|

सामाजिक परिवर्तन की अनिवार्यता इस तथ्य पर आधारित है की सामाजिक कार्य हस्तक्षेप उस समय करता है जब व्यक्ति परिवार समूह एवं समूदाय की वर्तमान स्थिती विकास एवं परिवर्तन की आवश्यकता में है| यह उन संरचनात्मक स्थितियों को चुनौती देने ओर बदलने पर आधारित है जो कि सामाजिक अलगाव, अत्याचार, शोषण ओर लोगों को हाशिए तक पहुँचाने में सहायक होती है|

सामाजि बदलाव मानव को मानवअधिकार सामाजिक आर्थिक और पर्यावरणीय अधिकारों का मूल मानता है|

यह सामाजिक स्थिरता का पक्षघर है परंतु तभी तक कि जब तक यह स्थिरता शोषण अत्याचार और किसी व्यक्ती समूह को हाशिए तक पहुचाने में सहायक न हो| मानवअधिकार और सामाजिक न्याय की पैरवी तथा संरंभा ही सामाजिक कार्य की प्रेरणा है|

<u>सिद्धान्त (Principal)</u>

सामाजिक कार्य का प्रधान सिद्धांन्त वंशागत मुल्य मानव गरिमा किसी का नुकसान न करना विविधतांओ का सम्मान तथा मानव अधिकारों एवं सामाजिक न्याय की रक्षा है| सामाजिक कार्य व्यवसाय इस बात को इंगित करता है कि मानवअधिकार सामूहिक दायित्व है| सामूहिक दायित्व इस बात को दर्शाता है कि वास्तव में वैयक्तिक मानव अधिकार को तभी महसूस किया जा सकता है जब मनुष्य एक दूसरे के लिए और पर्यावरण समुदाय में पारस्परिक सम्बंधो के महत्व का दायित्व ले इसलिए सामाजिक कार्य का सबसे बडा विचार क्षेत्र है कि मानव अथिकार की वकालत हर स्तर पर करे और वहॉ सुविधार दे जहॉ लोग एक दुसरे के उच्च जीवन स्तर के लिए कार्य करते है एवं जहॉ लोगों के मध्य अन्तरिक निर्भरता एवं पर्यावरण के मध्य सहयोग एवं सम्मान है

सामाजिक कार्य प्रथम व्दितीय एवं तृतीय चरण अधिकार को स्वीकारता है| प्रथम चरण में सामाजिक एवं राजनैतीक अधिकार आते है जैसे स्वतंत्र वाचन एवं विवेक की आजादी| व्दितीय चरण में

सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतीक अधिकार जिसमें शिक्षा, स्वास्थ, आवास एवं अल्प संख्याग्र भाषाओं का अधिकार है| तृतीय चरण में प्राकृतिक दुनिया जैव विविधता एवं अंर्तचरणीय एकता शामिल है ये अधिकार एक दूसरे पर निर्भर है ये व्यक्तिगत एवं सामूहिक अधिकार को स्थान देते है|

कुछ स्थितियों में बिना हानि के एवं विविधता के सम्मान के साथ विपरीत विचार एवं तुलनात्मक स्थिती उत्पन्न कर सकते है जैसे संस्कृती के नाम में अधिकार जिसमें जीवन के अधिकार अल्प संख्यक समूह जैसे महिला एवँ समलैंगिकों के अधिकारों का उल्लंघन किया जता है| वैश्विक मानव सामाजिक कार्य शिक्षा एवँ प्रशिक्षण इसे तर्क के साथ सुलझाते है कि सामाजिक कार्यकर्ता का प्रशिक्षण प्राथमिक मानव अधिकार की सोच के साथ इस तरह से होता है| मानव अधिकार प्रमुखता से सामने आएँ|

ज्ञान (Knowledge)

सामाजिक कार्य अन्तरा विषयी और अंतर विषयी तथा वैज्ञानिक शोध सिद्धांतों पर आधारित है| विज्ञान इस सन्दर्भ में आपने आधारभूत अर्थो में ज्ञान ही माना जाता है|

सामाजिक कार्य लगातार विकसित होती सैद्धातिंक आधार और शोध के साथ-साथ दूसरे मानव विज्ञानों के सिद्धांतों से प्रेरित है| परंतु सामाजिक विकास सामाजिक अधिगम प्रशासन मानव के जैविक विकास, पर्यावरण विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा प्रबंधन आदि तक सीमित नहीं है|

सामाजिक कार्य शोध एवँ सिद्धांत की विशिष्ठता यह है कि यह प्रयोगिक भी है एवँ मुक्त करने भी है| सिद्धांत शीध सेवा भोकता के पारस्परिक संवाद पर आधारित है इस कारण विशेष अभ्यासित पर्यावरण से रचा हुआ होता है|

यह परिभाषा मानती है कि सामाजिक कार्य सिर्फ जिन परिस्थितीयों में कार्य करते है उससे और पाश्चात्य सिद्धांतो पर आधारित नहीं है वरन् लौकिक ज्ञान पर भी आधारित है|

उपनवेशवाद के कारण एक बात जो हुई है वह यह कि पाश्चात्य सिद्धांतो और ज्ञान ने लौकिक ज्ञान को पुर्णता अत्याधिक कर दिया है| यह परभिाषा एक कोशिश है इसे रोकने की और पुन: वापस जाने की यह मानकर हर क्षेत्र के लोगों के अपने मूल्य होते है, उनके ज्ञान करने, उसे आगे बढाने के अपने तरीके होते है| उन्होंने भी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान किया है| सामाजिक कार्य इस पाश्चात्य वैज्ञानिक

..... को सही करने का प्रयास करता है यह मूल लोगो के ज्ञान को समझ कर व स्वीकार करके ऐसा प्रयास करता है, इस प्रकार सामाजिक कार्य ज्ञान सभी के सहयोग से विकसित हो और सिर्फ क्षेत्रीय स्तर पर नहीं बल्की अंर्तराष्ट्रिय स्तर भी काम में आए| संयुक्त राष्ट्र संघ और IFSW के अनुसार मूल रूपसे लौकिक व्यक्ती इस प्रकार से है|

१. ये भौगोलिक रूप से विशिष्ट पैतृक क्षेत्र में रहते है|

२. अपने क्षेत्र में इनका पैतृक समाज आर्थिक एवँ राजनैतिक संस्थओ के प्रति झुकाव होता है|

३. ये विशिष्ट रूप से पैतृक संस्कृति भौगोलिक एवं संस्थानिक व्यवस्था को बनाये रखने के लिए प्रयासरत रहते है न कि पूरी तरह राष्ट्रीय इलोको को आत्मसात करने में|

४. वे अपने को स्थानिय / स्वदेशी जाति संबंधी घोषित करते है|

अभ्यास (Practice)

सामाजिक कार्य की वैधानिकता एवं कार्य है जहॉ लोग पर्यावरण के साथ पारस्परिक किया करते है| पर्यावरण उस सामाजिक व्यवस्था को अपनाती है जिससे लोाग गहराई से जुडे है और प्राकृतिक भौगोलिक पर्यावरण जो कि बाहुलता के साथ उनके जीवन को प्रभावित करते है|

जहॉ तक संभव हो सामाजिक कार्य लोगों के साथ मिलकर कार्य करने में विश्वास करता है न कि लेगो के लिए| सामाजिक विकास सिद्धांत के स्थापित मान्यताओं पर आधारित सामाजिक कार्यकर्ता विभिन्न तरीके तकनीक सिद्धांत और विविध स्तर पर कार्य करते है ताकि व्यवस्था को बनाए रखा जाए या फिर यदि बदलाव की आवश्यकता है तो बदला जा सके|

सामाजिक कार्य कियाओ का जिसमे जिसमे विभिन्न प्रकार के उपचार परामर्श, समूह कार्य, समुदाए कार्य, नीति निर्माण का विस्तार होता है|

सामान्य नजरिए से यह परिभाषा सामाजिक कार्य योजनाओं की जिनका उद्देश्य मनुष्य की आशा, आत्म विश्वास को बढाना एवं रचनात्मक रूप देना है ये विरोधी परिस्थितीयों एवॅ विपरित शक्तियों के प्रति योजित योजनाओं का समर्थन करती है|

सामाजिक कार्य का मूल केन्द्र सार्वजनिक है परन्तू सामाजिक कार्य अभ्यास की प्राथमिकता एक दुसरे देश समय पर बदलती रहती है और निर्भर करती है कि वहॉ के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, रजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक अवस्थाओ के सूक्ष्म एवॅ वृहत रूप से कितनी हस्तक्षेपित होती है|

सामाजिक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि इस परिभाषा में दिए गये सिद्धांतो को सुरक्षित करे उनमें वृद्धी करे उन्हें अग्रेषित करे एवॅ उनके महत्व को महसूस करे| सामाजिक कार्य की परिभाषा तभी अर्थपूर्ण हो सकती है जब सामाजिक कार्यकर्ता इसके महत्व एवॅ दृष्टिकोण के साथ सक्रिय हो तथा वचनबद्ध हो|